

# बीपीएस महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

गोहाना, वायरल सच (अनिल जिंदल) : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग में आज से तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारम्भ हो गया है। कार्यशाला का विषय राखीगढ़ी में प्राप्त पुरातात्विक सामग्री: मिट्टी के बर्तन एवं पत्थर के औजारों का निर्माण एवं अन्वेषण है। कार्यशाला की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक कर रही है। कार्यशाला के शुभारम्भ सत्र में अपने संदेश में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि ऐसी कार्यशाला छात्राओं और शोधार्थियों को प्राचीन भारतीय सभ्यता की जड़ों से जोड़ती हैं। राखीगढ़ी जैसे ऐतिहासिक स्थलों का अध्ययन न केवल हमारे अतीत की झलक देता है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत करता है। कार्यशाला में बतौर मुख्य वक्ता दिल्ली

विश्वविद्यालय से प्रो. आर सी ठाकरान ने कहा कि राखीगढ़ी में प्राप्त मिट्टी के बर्तनों और पत्थर के औजारों का वैज्ञानिक अध्ययन हमें यह समझने में मदद करता है, कि सिंधु घाटी सभ्यता किस प्रकार उन्नत तकनीकों से परिचित थी। इन अवशेषों से प्राचीन समाज की जीवन शैली, कला, शिल्प एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी मिलती है। डॉ अर्चना मलिक ने बताया कि इस कार्यशाला में आंध्र प्रदेश, पंजाब, असम और तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने भाग लेकर इसे राष्ट्रीय स्तर का स्वरूप प्रदान किया। प्रतिभागियों ने राखीगढ़ी में प्राप्त पुरातात्विक अवशेषों का अवलोकन



कर उनकी ऐतिहासिकता एवं निर्माण तकनीक को समझा। उन्होंने कहा कि यह तीन दिवसीय कार्यशाला शैक्षणिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण रहने वाली है कार्यशाला में प्रतिभागियों को प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं पुरातत्व की गहन समझ प्रदान करने के साथ-साथ शोध और नवाचार की दिशा में भी प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम का मंच संचालन आशु सोमया ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शीतल द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस आयोजन में एशियाटिक सोसायटी ऑफ सोशल साइंस का विशेष सहयोग रहा।

# बीपीएसएमवी में ‘इग-फ्री इंडिया रन’ का आयोजन

## जन जागरण संदेश

खानपुर कलां / गोहाना,(अनिल जिंदल), 29 अगस्त 2025। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (बीपीएसएमवी) में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नार्को समन्वय केंद्र द्वारा ‘इग-फ्री इंडिया रन’ का सफल आयोजन किया गया। मुख्य परिसर में यह दौड़ दोपहर भगत फूल सिंह जी की प्रतिमा से



प्रारंभ हुई। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. शिवालिक यादव ने हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रो यादव ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह दौड़ नशामुक्त समाज निर्माण के लिए विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को दर्शाती है। विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों का उत्साह वास्तव में प्रेरणादायी है और हम सभी इस मिशन को आगे भी पूर्ण निष्ठा के साथ आगे बढ़ाएँगे। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने अपने संदेश में कहा कि ‘इग-फ्री इंडिया रन’ केवल एक प्रतीकात्मक गतिविधि नहीं, बल्कि स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक संकल्प है। विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी हमारी साझा प्रतिबद्धता को और प्रबल बनाती है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्रों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में भी यह दौड़ आयोजित की गई, जहाँ छात्राओं ने उत्साह और जोश के साथ भाग लेकर नशामुक्त समाज का सशक्त संदेश दिया। एनसीओआरडी के प्रतिनिधियों प्रो. मंजू पंवार व डॉ. कृतिका ने कहा कि नशामुक्त भारत का सपना तभी साकार होगा जब युवा शक्ति जागरूकता की मशाल अपने हाथों में लेगी। इस अवसर पर बीपीएसएमवी ने शिक्षा और सामाजिक उत्तरदायित्व को जोड़ते हुए यह संदेश दिया कि सामूहिक संकल्प ही समाज को नशामुक्त बना सकता है। इस दौड़ में सभी विभागों के छात्राएं शामिल रहीं।



प्रो. आर सी ठकरान का स्वागत करते विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक।

## बीपीएस महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत विभाग द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

गोहना, 29 अगस्त (रामनिवास धीमान) : उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग में आज से तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारम्भ विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक की अध्यक्षता किया गया। कार्यशाला का विषय राखीगढ़ी में प्राप्त पुरातात्त्विक सामग्री: मिट्टी के बर्तन एवं पत्थर के औजारों का निर्माण एवं अन्वेषण रहा। कार्यशाला के शुभारम्भ सत्र में अपने संदेश में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि ऐसी कार्यशाला छात्राओं और शोधार्थियों को प्राचीन भारतीय सभ्यता की जड़ों से जोड़ती है। राखीगढ़ी जैसे ऐतिहासिक स्थलों का अध्ययन न केवल हमारे अतीत की झलक देता है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत करता है। मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रो. आर सी ठकरान ने कहा कि राखीगढ़ी में प्राप्त मिट्टी के बर्तनों और पत्थर के औजारों का वैज्ञानिक अध्ययन हमें यह समझने में मदद करता है। डॉ अर्चना मलिक ने बताया कि इस कार्यशाला में आंध्र प्रदेश, पंजाब, असम और तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने भाग लेकर इसे राष्ट्रीय स्तर का स्वरूप प्रदान किया। मंच संचालन आशु सोमया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शीतल द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस आयोजन में एशियाटिक सोसायटी ऑफ सोशल साइंस का विशेष सहयोग रहा।



हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारंभ करते शिवालिक यादव ।

## बीपीएसएमवी में 'इग-फ्री इंडिया रन' का आयोजन

गोहाना, 29 अगस्त (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (बीपीएसएमवी) में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नार्को समन्वय केंद्र द्वारा 'इग-फ्री इंडिया रन' का सफल आयोजन किया गया। मुख्य परिसर में यह दौड़ दोपहर भगत फूल सिंह की प्रतिमा से प्रारंभ हुई। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. शिवालिक यादव ने हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रो. यादव ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह दौड़ नशामुक्त समाज निर्माण के लिए विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को दर्शाती है। विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों का उत्साह वास्तव में प्रेरणादायी है और हम सभी इस मिशन को आगे भी पूर्ण निष्ठा के साथ आगे बढ़ाएंगे। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने अपने सदैश में कहा कि 'इग-फ्री इंडिया रन' केवल एक प्रतीकात्मक गतिविधि नहीं, बल्कि स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक संकल्प है। विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी हमारी साझा प्रतिबद्धता को और प्रबल बनाती है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्रों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में भी यह दौड़ आयोजित की गई। एनसीओआरडी के प्रतिनिधियों प्रो. मंजू पंवार व डॉ. कृतिका ने कहा कि नशामुक्त भारत का सपना तभी साकार होगा जब युवा शक्ति जागरूकता की मशाल अपने हाथों में लेगी।

# ‘ड्रग-फ्री इंडिया रन’ को रजिस्ट्रार ने दिखाई हरी झँडी



गोहाना मुद्रिका , 29 अगस्त : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (बी.पी.एस.एम.वी.) में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नार्को समन्वय केंद्र द्वारा ‘ड्रग-फ्री इंडिया रन’ का शुक्रवार को आयोजन किया गया। मुख्य परिसर में यह दौड़ दोपहर भगत फूल सिंह की प्रतिमा से प्रारंभ हुई। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. शिवालिक यादव ने हरी झँडी दिखाकर शुभारंभ किया

प्रो. यादव ने कहा कि यह दौड़ नशामुक्त समाज निर्माण के लिए विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ‘ड्रग-फ्री इंडिया रन’ केवल एक प्रतीकात्मक गतिविधि नहीं, बल्कि स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक

संकल्प है। विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी हमारी साझा प्रतिबद्धता को और प्रबल बनाती है। एन.सी.ओ.आर.डी. के प्रतिनिधियों प्रो. मंजू पंवार व डॉ. कृतिका ने कहा कि नशा मुक्त भारत का सपना तभी साकार होगा जब युवा शक्ति जागरूकता की मशाल अपने हाथों में लेगी।

# राखीगढ़ी की पुरातात्त्विक सामग्री पर कार्यशाला प्रारंभ



गोहाना मुद्रिका , 29 अगस्त : बी.पी.एस.

महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग में शुक्रवार को तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारम्भ हो गया। कार्यशाला का विषय “राखीगढ़ी में प्राप्त पुरातात्त्विक सामग्री: मिट्टी के बर्तन एवं पत्थर के औजारों का निर्माण एवं अन्वेषण” है।

कार्यशाला की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक ने की। कार्यशाला के शुभारम्भ सत्र में वी.सी. प्रो. सुदेश ने कहा कि ऐसी कार्यशाला छात्राओं और शोधार्थियों को प्राचीन भारतीय सभ्यता की जड़ों से जोड़ती है। राखीगढ़ी जैसे ऐतिहासिक स्थलों का अध्ययन न केवल हमारे अतीत की झलक देता है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत करता है।

मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रो.

आर.सी. ठाकरान ने कहा कि राखीगढ़ी में प्राप्त मिट्टी के बर्तनों और पत्थर के औजारों का वैज्ञानिक अध्ययन हमें यह समझने में मदद करता है, कि सिंधु घाटी सभ्यता किस प्रकार उन्नत तकनीकों से परिचित थी। इन अवशेषों से प्राचीन समाज की जीवन शैली, कला, शिल्प एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी मिलती है।

डॉ अर्चना मलिक ने बताया कि कार्यशाला में आंध्र प्रदेश, पंजाब, असम और तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। कार्यशाला में एशियाटिक सोसायटी ऑफ सोशल साइंस का विशेष सहयोग है।

# 'ਡ੍ਰਗ-ਫ੍ਰੀ ਇੰਡੀਆ ਰਨ' ਕੋ ਰਜਿਸਟਰ ਨੇ ਦਿਖਾਈ ਹਰੀ ਝਾੜੀ

ਗੋਹਾਨਾ, 29 ਅਗਸਤ (ਅਰੋਡਾ): ਭਗਤ ਫੂਲ ਸਿੰਹ ਮਹਿਲਾ ਵਿਸ਼ਵਿਦਿਆਲਾਯ (ਬੀ.ਪੀ.ਏਸ.ਏਮ.ਵੀ.) ਮੈਂ ਨਸ਼ਾਮੁਕਤ ਭਾਰਤ ਅਭਿਆਨ ਕੇ ਅੰਤਰਗਤ ਨਾਕੋਂ ਸਮਾਨਵਿਧ ਕੇਂਦ੍ਰ ਦੀਆਂ 'ਡ੍ਰਗ-ਫ੍ਰੀ ਇੰਡੀਆ ਰਨ' ਕਾ ਸ਼ੁਕ੍ਰਵਾਰ ਕੋ ਆਯੋਜਨ ਕਿਯਾ ਗਿਆ।

ਮੁਖਾਂ ਪਰਿਸਰ ਮੈਂ ਯਹ ਦੌੜ ਦੋਪਹਰ ਭਗਤ ਫੂਲ ਸਿੰਹ ਕੀ ਪ੍ਰਤਿਮਾ ਸੇ ਪ੍ਰਾਰੰਭ ਹੁੰਈ। ਵਿਸ਼ਵਿਦਿਆਲਾਯ ਕੇ ਰਜਿਸਟਰ ਪ੍ਰੋ. ਸ਼ਿਵਾਲਿਕ ਯਾਦਵ ਨੇ ਹਰੀ ਝਾੜੀ ਦਿਖਾਕਰ ਰਵਾਨਾ ਕਰਤੇ ਹੁਏ ਪ੍ਰੋ. ਸ਼ਿਵਾਲਿਕ ਯਾਦਵ। (ਅਰੋਡਾ)



ਦੌੜ ਕੋਹਰੀ ਝਾੜੀ ਦਿਖਾਕਰ ਰਵਾਨਾ ਕਰਤੇ ਹੁਏ ਪ੍ਰੋ. ਸ਼ਿਵਾਲਿਕ ਯਾਦਵ। (ਅਰੋਡਾ) ਦੁਸ਼ਟੀ ਹੈ। 'ਡ੍ਰਗ-ਫ੍ਰੀ ਇੰਡੀਆ ਰਨ' ਕੇਵਲ ਏਕ ਪ੍ਰਤੀਕਾਤਮਕ ਗਤਿਵਿਧੀ ਨਹੀਂ, ਬਲਕਿ ਸ਼ਵਸਥ ਔਰ ਤੁੱਝਵਲ ਭਵਿ਷ਾਂ ਕੇ ਲਿਏ ਸਾਮੂਹਿਕ ਸੰਕਲਪ ਹੈ।

ਵਿਦ्यਾਰਥੀਆਂ ਕੀ ਸਕਿਧ ਭਾਗੀਦਾਰੀ ਹਮਾਰੀ ਸਾਂਝਾ ਪ੍ਰਤਿਬਦਤਾ ਕੀ ਔਰ ਪ੍ਰਬਲ ਬਨਾਤੀ ਹੈ।

ਏਨ.ਸੀ.ਓ.ਆਰ.ਡੀ. ਕੇ ਪ੍ਰਤਿਨਿਧਿਆਂ ਪ੍ਰੋ. ਮੰਜੂ ਪੰਵਾਰ ਵ ਡਾਂਡੀ. ਕ੃ਤਿਕਾ ਨੇ ਕਹਾ ਕਿ ਨਸ਼ਾ ਮੁਕਤ ਭਾਰਤ ਕਾ ਸਪਨਾ ਤਖੀ ਸਾਕਾਰ ਹੋਗਾ ਜਬ ਯੁਵਾ ਸ਼ਕਤੀ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਕੀ ਮਸਾਲ ਅਪਨੇ ਹਾਥਾਂ ਮੈਂ ਲੇਗੀ।

ਇਸ ਅਵਸਰ ਪਰ ਬੀ.ਪੀ.ਏਸ.ਏਮ.ਵੀ. ਨੇ ਸ਼ਿਕਸ਼ਾ ਔਰ ਸਾਮਾਜਿਕ ਉਤਤਰਦਾਇਤਿਵ ਕੀ ਜੋਡ੍ਹਤੇ ਹੁਏ ਯਹ ਸਂਦੇਸ਼ ਦਿਯਾ ਕਿ ਸਾਮੂਹਿਕ ਸੰਕਲਪ ਹੀ ਸਮਾਜ ਕੋ ਨਸ਼ਾਮੁਕਤ ਬਨਾ ਸਕਤਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੌੜ ਮੈਂ ਸਭੀ ਵਿਭਾਗਾਂ ਕੀ ਛਾਤ੍ਰਾਂ ਸ਼ਾਮਿਲ ਰਹੀਂ।

# ਰਾਖੀਗੜੀ ਮੈਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਪੁਰਾਤਤਿਕ ਸਾਮਗ੍ਰੀ ਪਰ ਕਾਰਧਸ਼ਾਲਾ ਪ੍ਰਾਰੰਭ

ਗੋਹਾਨਾ, 29 ਅਗਸਤ (ਅਰੋਡਾ): ਬੀ.ਪੀ.ਏਸ. ਮਹਿਲਾ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾਯ ਕੇ ਇਤਿਹਾਸ ਏਵਂ ਪੁਰਾਤਤਵ ਵਿਭਾਗ ਮੈਂ ਸ਼ੁਕ੍ਰਵਾਰ ਕੋ 3 ਦਿਵਸੀਂ ਰਾਖੀਗੜੀ ਕਾਰਧਸ਼ਾਲਾ ਕਾ ਸ਼ੁਭਾਰਮ਼ਥ ਹੋ ਗਿਆ। ਕਾਰਧਸ਼ਾਲਾ ਕਾ ਵਿ਷ਯ 'ਰਾਖੀਗੜੀ ਮੈਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਪੁਰਾਤਤਿਕ ਸਾਮਗ੍ਰੀ: ਮਿਟ੍ਟੀ ਕੇ ਬੱਚਨ ਏਵਂ ਪਤਥਰ ਕੇ ਔਜਾਰੋਂ ਕਾ ਨਿਰਣ ਏਵਂ ਅਨੁਵੇ਷ਣ' ਹੈ।

ਕਾਰਧਸ਼ਾਲਾ ਕੀ ਅਧਿਕਤਾ ਵਿਭਾਗਾਧਿਕ ਡਾਂ. ਅਰੰਨਾ ਮਲਿਕ ਨੇ ਕੀ। ਕਾਰਧਸ਼ਾਲਾ ਕੇ ਸ਼ੁਭਾਰਮ਼ਥ ਸੱਤ੍ਰ ਮੈਂ ਬੀ.ਸੀ. ਪ੍ਰੋ. ਸੁਦੇਸ਼ ਨੇ ਕਹਾ ਕਿ ਐਸੀ ਕਾਰਧਸ਼ਾਲਾ ਛਾਤ੍ਰਾਓਂ ਔਰਾਂ ਅਤੇ ਸ਼ੋਧਾਰਥੀਓਂ ਕੋ ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਭਾਰਤੀਯ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਕੀ ਜਡੋਂ ਸੇ ਜੋੜਾਂਤੀ ਹੈ। ਰਾਖੀਗੜੀ ਜੈਂਸੇ ਐਤਿਹਾਸਿਕ ਸਥਲਾਂ ਕਾ ਅਧਿਅਨ ਨ ਕੇਵਲ ਹਮਾਰੇ ਅਤੀਤ ਕੀ ਝਲਕ ਦੇਤਾ



ਕਾਰਧਸ਼ਾਲਾ ਮੈਂ ਭਾਗ ਲੇਤੇ ਹੋਏ ਛਾਤ੍ਰਾਂ ਅਤੇ ਪ੍ਰਾਚਿਆਪਕ।

(ਅਰੋਡਾ)

ਹੈ, ਬਲਿਕ ਹਮਾਰੀ ਸਾਂਸਕ੃ਤਿਕ ਪਹਿਚਾਨ ਕੋ ਭੀ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕਰਤਾ ਹੈ।

ਮੁਖ੍ਯ ਵਕਤਾ ਦਿੱਲੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾਯ ਸੇ ਪ੍ਰੋ. ਆਰ. ਸੀ. ਠਾਕਰਾਨ ਨੇ ਕਹਾ ਕਿ ਰਾਖੀਗੜੀ ਮੈਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਮਿਟ੍ਟੀ ਕੇ ਬੱਚਨਾਂ ਔਰਾਂ ਪਤਥਰ ਕੇ ਔਜਾਰੋਂ ਕਾ ਵੈਜਾਨਿਕ ਅਧਿਅਨ ਹਮੇਂ ਯਹ ਸਮਝਾਨੇ ਮੈਂ ਮਦਦ ਕਰਤਾ ਹੈ, ਕਿ ਸਿੰਧੂ ਘਾਟੀ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਕਿਸ ਪ੍ਰਕਾਰ ਤੱਤ ਤਕਨੀਕਾਂ ਦੇ ਪਰਿਚਿਤ ਥੀ। ਇਨ ਅਵਸ਼ੇ਷ਾਂ

ਸੇ ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਸਮਾਜ ਕੀ ਜੀਵਨ ਸ਼ੈਲੀ, ਕਲਾ, ਸ਼ਿਲਿਗ ਏਵਂ ਸਾਂਸਕ੃ਤਿਕ ਗਤਿਵਿਧਿਆਂ ਕੀ ਜਾਨਕਾਰੀ ਮਿਲਾਵੀ ਹੈ।

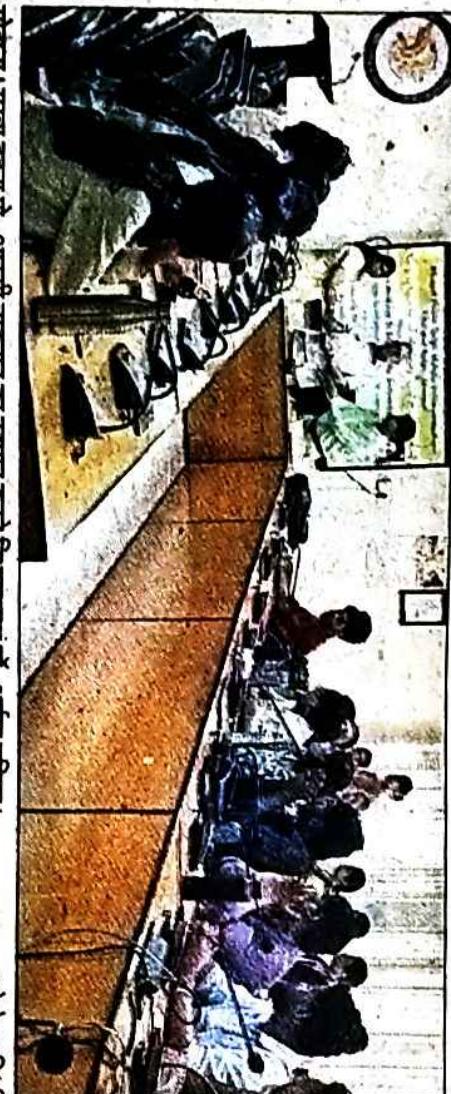
ਡਾਂ. ਅਰੰਨਾ ਮਲਿਕ ਨੇ ਬਤਾਯਾ ਕਿ ਕਾਰਧਸ਼ਾਲਾ ਮੈਂ ਆਂਧ੍ਰ ਪ੍ਰਦੇਸ਼, ਪੰਜਾਬ, ਅਸਾਮ ਔਰਤਮਿਲਨਾਡੂ ਸਹਿਤ ਵਿਭਿੰਨ ਰਾਜਾਂਤਾਂ ਕੇ ਪ੍ਰਤਿਨਿਧਿ ਭਾਗ ਲੇ ਰਹੇ ਹਨ। ਕਾਰਧਸ਼ਾਲਾ ਮੈਂ ਏਸ਼ੀਯਾਟਿਕ ਸੋਸਾਇਟੀ ਑ਫ ਸੋਸਾਲ ਸਾਇੱਸ ਕਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਸਹਯੋਗ ਹੈ।



# स्टाइलिश पहचान को मेजबूत बनाता है प्रेटीडाइरेक्ट स्थलों का अध्ययन

करिगणी नद्यग्राम गोदाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कला के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग में शुक्रवार से तीन दिवसीय ग्राहीय कार्यशाला का शुभारम्भ हो गया। कार्यशाला का विषय ग्राहीगढ़ी में प्राचीन पुरातात्विक सामग्री: मिट्टी के बर्तन एवं पत्थर के औजारों का निर्माण एवं अन्वेषण है। कार्यशाला की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. अचर्ना महिलक कर रही है। शुभारम्भ सत्र में अपने संदेश में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि ऐसी कार्यशाला



गोदाना। मुख्य वक्ता प्रो. आरसी ठाकरान का स्वागत करते विभागाध्यक्ष डॉ. अचर्ना महिलक।

गोदाना के अवशेषों से प्राचीन समाज की जीवन शैली, कला, शिल्प एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी मिलती है। डॉ. अचर्ना जीवन डॉ. शीतल ने प्रस्तुत किया। इस प्रदर्शन करने के साथ-साथ शोष और नवाचार की दिशा में भी आशु सोमवा ने किया। धन्वाद

प्रोतीत किया जाएगा। मध्य सचालन में आंध्र प्रदेश, पंजाब, असम और तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया। विभाग के शिक्षक गण डॉ. सुमेर परे तिमिलनाडु सोसायटी और कोशल साइंस का प्रतिभागियों ने ग्राहीगढ़ी में प्राचीन ग्राहीतात्विक पहचान की सांस्कृतिक पहचान की सभी छात्राएं उमस्थित रहीं।

फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय एवं पुरातत्व विभाग द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन एवं निर्माण करने के साथ-साथ विभाग की विश्वविद्यालय की जड़ों से जोड़ती अतीत की झलक देता है, बल्कि मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय हमारी सांस्कृतिक पहचान की भी से प्रो. आरसी ठाकरान ने कहा कि

स्थलों का अध्ययन करने के लिए उनकी अवलोकन कर उनकी ऐतिहासिकता एवं निर्माण तकनीक करता है कि सिंधु घाटी सभ्यता किस प्रकार उन्नत तकनीक से परिचित थी।

इन अवशेषों से प्राचीन समाज की जीवन शैली, कला, शिल्प एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी मिलती है। डॉ. अचर्ना जीवन डॉ. शीतल ने प्रस्तुत किया। इस आयोजन में प्रशिक्षणीक सोसायटी और कोशल साइंस का

प्रतिभागियों ने ग्राहीगढ़ी में प्राचीन ग्राहीतात्विक पहचान की सभी छात्राएं उमस्थित रहीं।

## टेस्ट को नशा मुक्त बनाना सबकी जिम्मेदारी

गोहाना। भगत पूर्ल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि) में शुक्रवार को नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्भृत जाकों समन्वय केंद्र द्वारा 'इग-फ्री इंडिया रन' का आयोजन किया गया। यह दौड़ विवि परिसर में भगत पूर्ल सिंह की प्रतिमा से प्रारंभ हुई। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव ने हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रो. शिवालिक यादव ने कहा कि देश को नशा मुक्त बनाना हम सब की जिम्मेदारी है। यह दौड़ नशामुक्त समाज निर्माण के लिए विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को दर्शाती है। विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों का उत्साह वास्तव में प्रेरणादायी है और हम सभी इस मिशन को आगे भी पूर्ण निष्ठा के साथ आगे बढ़ाएंगे। अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने अपने संदेश में कहा कि 'इग-फ्री इंडिया रन' केवल एक प्रतीकात्मक गतिविधि नहीं अपितु स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक संकल्प है। विद्यार्थियों की सक्रिय माठीदारी हमारी साझा प्रतिबद्धता को और प्रबल बनाती है।



इग फ्री इंडिया रन को हरी झंडी दिखा कर रवाना करते प्रो. शिवालिक यादव।

# छात्राओं ने दौड़ लगा दिया नशा मुक्ति का संदेश

गोहाना। बीपीएस महिला विवि में शुक्रवार को नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नाकों समन्वय केंद्र द्वारा ड्रग-फ्री इंडिया रन का आयोजन किया गया। दौड़ को विवि के रजिस्ट्रार प्रो. शिवालिक यादव ने हरी झंडी दिखाकर खाना किया। कहा कि यह दौड़ नशा मुक्त समाज निर्माण के लिए विवि की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को दर्शाती है। छात्राओं ने दौड़ लगाकर नशा मुक्त समाज का संदेश दिया। इस मौके पर प्रो. मंजू पंवारवडॉ. कृतिका भी मौजूद रहीं।

## छात्राओं को दी पुरातात्त्विक अवशेषों की जानकारी

गोहाना। बीपीएस महिला विवि के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग में शुक्रवार को तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने किया। उन्होंने कहा कि राखीगढ़ी जैसे ऐतिहासिक स्थलों का अध्ययन न केवल हमारे अतीत की झलक देता है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत करता है। मुख्य वक्ता एवं दिल्ली विवि से प्रो. आरसी ठाकरान ने कहा कि राखीगढ़ी में प्राप्त मिट्टी के बर्तनों और पत्थर के औजारों का वैज्ञानिक अध्ययन हमें यह समझने में मदद करता है कि सिंधु घाटी सभ्यता किस प्रकार उन्नत तकनीकों से परिचित थी। महिला विवि के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक ने बताया कि कार्यशाला में आंध्र प्रदेश, पंजाब, असम और तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। पहले दिन राखीगढ़ी में प्राप्त पुरातात्त्विक अवशेषों का अवलोकन कर उनकी ऐतिहासिकता एवं निर्माण तकनीक को समझा। आगामी दो दिनों प्रतिभागियों को प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं पुरातत्व की गहन समझ प्रदान करने के साथ-साथ शोध और नवाचार की दिशा में भी प्रेरित किया जाएगा। इस मौके पर आशु सोमया, डॉ. शीतल, डॉ. सुमेर सिंह, डॉ. मोनिका आदि मौजूद रहे।

# प्राचीन सभ्यता हमें जड़ों से जोड़े रखती हैं : प्रो . सुदेश

जागरण संवाददाता, गोहाना : शुक्रवार को भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का विषय राखीगढ़ी में प्राप्त पुरातात्विक सामग्री ; मिटटी के बर्तन एवं पत्थर के औजारों का निर्माण एवं अन्वेषण है। शुभारंभ सत्र में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि प्राचीन सभ्यता हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखती हैं। ऐसी कार्यशालाओं से छात्राओं और शोधार्थियों को प्राचीन भारतीय सभ्यता की जड़ों से जोड़े रखने में मदद मिलती है। राखीगढ़ी जैसे ऐतिहासिक स्थलों का अध्ययन न केवल हमारे



मुख्य वक्ता प्रो. आरसी ठाकरान का स्वागत करते विभागाध्यक्ष डा. अर्धना मलिक ।

अतीत की झलक देता है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत करता है।

मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रो. आरसी ठाकरान ने कहा कि राखीगढ़ी में प्राप्त मिटटी के बर्तनों और पत्थर के औजारों का वैज्ञानिक

अध्ययन हमें यह समझने में मदद करता है कि सिंधु घाटी सभ्यता किस प्रकार उन्नत तकनीकों से परिचित थी। इन अवशेषों से प्राचीन समाज की जीवन शैली, कला, शिल्प एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी मिलती है। कार्यशाला की अध्यक्षता

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

डा. अर्चना मलिक ने की। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला में आंध्र प्रदेश, पंजाब, असम और तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने राखीगढ़ी में प्राप्त पुरातात्विक अवशेषों का अवलोकन कर उनकी ऐतिहासिकता एवं निर्माण तकनीक को समझा। इस मौके पर आशु सोमया, डा. शीतल, डा. सुमेर सिंह, डा. मोनिका रहे।